(ख) 1975-76 और पांचवीं योजना के अंतिम वर्ष 1978-79 के बीच प्रति व्यक्ति आय में 14 प्रतिशत तक की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

बिहार में सेवानिवृत्त हुए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी

2760. श्री रामनन्दन तिवारी : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आपात स्थिति के दौरान बिहार में भारतीय पुलिस सेवा के कितने व्यक्तियों को जबरन सेवा निवृत्त किया गया ; और

(ख) उनमें से अब तक कितने व्यक्तियों को नौकरी पर बहाल कर दिया गया है ?

गृह मंत्री (श्री चरण सिंह) : (क) आपात स्थिति के दौरान बिहार राज्य में भारतीय पुलिस सेवा का कोई सदस्य जबरन सेवा निवृत्त नहीं किया गया है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

Nepali-Speaking People

2761. SHRI K. B. CHETTRI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the population figure of the Nepali-speaking people in India, Statewise, as per Census Report of 1971;

(b) whether it is a fact that the population figure of the Nepali-speaking people decreased; and

(c) if so, the reasons thereof?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI CHARAN SINGH): (a) The statement laid on the Table of the House furnishes all-India and statewise figures of persons speaking Gorkhali/Nepali as per the 1971 census. [*Placed in Library. See* No. LT-632/77.] The language has been classified as Gorkhali/Nepali and *not* separately as Gorkhali and Nepali.

(b) No, Sir, except in the case of Uttar Pradesh where there has been a decline. Taking the country as a whole, there is an overall increase of about 39 per cent.

(c) No study has been made to ascertain the reasons for the decline in Uttar Pradesh, nor is it considered necessary in view of the fact that population growth is affected by migration also.

Budget for Hill Areas of West Bengal

2762. SHRI K. B. CHETTRI: Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) the Central budget for the hill areas of West Bengal for the year 1977-78; and

(b) names of different projects which Central Government propose to undertake during the year 1977-78?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) A Special Central Assistance of Rs. 3.25 crores for 1977-78 has been provided for the accelerated development of the hill areas of West Bengal.

(b) Some of the important project which will be undertaken by the West Bengal State Government during 1977-78 with the special assistance programme are: Introduction of High yielding varieties and Multiple cropping schemes in Agriculture, Promotion of orange and other temperate fruit orchards, Soil conservation and Minor Irrigation works, Dairy and Poultry Development, Construction of forest roads and roads linking villages to market centres, Expansion of Cinchona Plantations, Setting up of Sericulture Demonstration farms and Serving

Units, Development of Tourism, Provision of Piped Drinking Water in the Rural Areas and Construction of a Super Market-cum-Bus Stand in Darjeeling.

सन्थाल परगना में कोयले का भण्डार

2763. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सन्थाल परगना में कोयले तथा अन्य खनिजों के भारी भण्डार हैं परन्तु उनका उपयोग नहीं किया जा रहा है ; और

(ख) क्या "ब्लैक डायमन्ड" योजना को तत्काल क्रियान्वित किया जायेगा।

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) संथाल परगना में घटिया कोयले के विशाल भण्डार (लगभग 1300 मिलियन टन) और चीनी मिट्टी, तापसह मिट्टी (फायर क्ले) बेंटोनाइट और इमारती सामान के छोटे-छोटे भण्डारों का पता चला है। कोयले के भंडार ताप बिजली के उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं। अभी स्थानीय उपभोग-मुख्यरूप से ईंट पकाने के लिए थोड़ा कोयला निकाला जाता है।

(ख) "काला हीरा परियोजना" (प्रोजेक्ट ब्लैक डायमंड) कोल इंडिया लि० की 10 वर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना है। इसका कार्यान्वयन कोयले की वास्तविक मांग होने और अन्य तकनीकी-आर्थिक कारणों पर निर्भर हैं।

खादी व्यापार में लगे व्यक्ति

2764. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या खादी के व्यापार में लगे व्यक्तियों की संख्या कितनी है और उनकी संख्या में कमी होने के क्या कारण हैं ; और

(ख) देश में खादी संस्थानों की विभिन्न शाखाओं में किस प्रकार का काम किया जा रहा है और उनमें कितने व्यक्ति काम करते हैं और उनको वेतन का भुगतान किस आधार पर किया जाता है ?

उद्योग मंत्री (श्री बृजलाल वर्मा) : (क) विगत पांच वर्षों में खादी कार्य में लगे हुए व्यक्तियों की संख्या नीचे दी जा रही है :—

वर्ष	व्यक्तियों की संख्या (लाखों में)
1971–72	9.63
1972–73	9.98
1973–74	8.84
1794–75	9.01
1975–76	8.24

संख्या में गिरावट के लिए विभिन्न कारण उत्तरदायी रहे हैं, वस्त्र व्यापार में सामान्य मंदी, कार्यकारी पूंजी की अपर्याप्तता, खादी कार्य का अंशकालिक तथा सपूरक स्वरूप।

(ख) खादी संस्थाएं कारीगरों के जरिये कताई और बुनाई का काम करती हैं। वे वस्तुओं के संभरण और विपणन का कार्य सीधे ही देखती हैं। 700 खादी संस्थाओं द्वारा सीधे ही 24,000 कर्मचारी नियोजित किए गए हैं। केन्द्रीय प्रमाणन समिति द्वारा निर्धारित की गई कसौटी जिस पर कर्मचारियों तथा कारीगरों के वेतन व मजदूरी निर्धारित की जाती है, नीचे दी जा रही है।

(i) 'क' वर्ग के शहर में प्रतिमास अधिकतम 600 रुपये भत्तों सहित किन्तु मकान किराया छोड़ कर।